व्रत-पर्व

श्रावण, 2078 वि. सं. (25 जुलाई - 22 अगस्त, 2021ई०)

1. **श्रावण प्रथम सोमवार, श्रावण कृष्ण द्वितीया, 26 जुलाई, 2021 ई० सोमवार।**
   इस दिन भगवान् शिव की आराधना तथा रुद्राभिषेक महत्त्वपूर्ण माना गया है। बहुत श्रद्धालु इस दिन व्रत रखते हैं। लेकिन पहले दिन यदि व्रत करते हैं तो हर सोमवारी को व्रत करना उचित होगा।
2. **मौना पञ्चमी, श्रावण कृष्ण पञ्चमी, 28 जुलाई, 2021ई० बुधवार।**
   मिथिला, बंगाल, मगध एवं उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में इस दिन नागपूजा मनायी जाती है। कुछ लोग कृष्णपक्ष की पञ्चमी में मनाते हैं, कुछ लोग शुक्ल पक्ष में। जिनके परिवार में जो परम्परा हो, उसी दिन मनायें।
3. **मधुश्रावणी व्रतारम्भ (मिथिला), श्रावण कृष्ण पञ्चमी, 28 जुलाई, 2021ई० बुधवार।**
   मिथिला, बंगाल एवं उड़ीसा के कुछ क्षेत्रों में विवाह के पहले वर्ष नयी दुल्हन अपने मायके आकर इस दिन से 13 दिनों तक चलने वाली नाग-पूजा का अनुष्ठान आरम्भ करती है।
5. **श्रावण द्वितीय सोमवार, श्रावण कृष्ण नवमी, 2 अगस्त, 2021ई० सोमवार।**
6. **कामदा एकादशी, श्रावण कृष्ण एकादशी, 4 अगस्त, 2021ई०** (सबका), **बुधवार।**
7. **श्रावण तृतीय सोमवार, श्रावण शुक्ल प्रतिपदा, सोमवार, 9 अगस्त, 2021ई०, सोमवार।**
8. **मधुश्रावणी व्रत समाप्ति (मिथिला), श्रावण शुक्ल तृतीया,11 अगस्त, 2021ई०, बुधवार।**
9. **गणेश चतुर्थी, श्रावण शुक्ल चतुर्थी, 11 अगस्त, 2021ई० बुधवार।**
9. **नागपञ्चमी, श्रावण शुक्ल पञ्चमी, 13 अगस्त, 2021ई० शुक्रवार।**
   इस दिन नागपूजा का वही अनुष्ठान होता है, जो कृष्णपक्ष की पञ्चमी तिथि को होता है। इसे मगध क्षेत्र में नगपाँचो कहा जाता है।
10. **तुलसी-जयन्ती, श्रावण शुक्ल सप्तमी, 15 अगस्त, 2021ई० रविवार।**
    इस दिन परम्परागत रूप से गोस्वामी तुलसीदास की जयन्ती मनायी जाती है। इस सम्बन्ध में एक दोहा प्रसिद्ध है- संवत सोलह सै असी, असी गंग के तीर। श्रावण शुक्ला सप्तमी, तुलसी तज्यो शरीर।।
11. **श्रावण चतुर्थ सोमवार, श्रावण शुक्ल नवमी, 16 अगस्त, 2021ई० सोनवार।**
12. **विष्णुपदी संक्रान्ति, सिंह संक्रान्ति, 17 अगस्त, 2021ई०, वुधवार।**
    संक्रान्ति का पुण्याह प्रातः 6 बजकर 42 मिनट तक रहेगा।
13. **पुत्रदा एकादशी, श्रावण शुक्ल एकादशी, 18 अगस्त, 2021ई०** (सबका), **गुरुवार।**
14. **झूलन आरम्भ, श्रावण शुक्ल एकादशी, 18 अगस्त, 2021ई० गुरुवार।**
15. **रक्षाबन्धन, श्रावणी उपाकर्म, श्रावण पूर्णिमा, संस्कृत दिवस, 22 अगस्त, 2021ई० रविवार।**
    इस दिन पूर्णिमा तिथि सन्ध्या 5 बजकर 20 मिनट तक है। इस दिन भद्रा प्रातः 5 बजकर 45 मिनट तक है, इसके बाद रक्षाबन्धन का पर्व मनाया जाना चाहिए। फिर 10 : 30 से 1 : 30 तक अर्द्धप्रहरा भी वर्जित करना चाहिए।इस रक्षाबन्धन का मन्त्र इस प्रकार है- येन बद्धो बली राजा, दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वामनुबध्नामि, रक्षे मा चल मा चल।।

***